

## साखियाँ एवं सबद

### Question 1.

मौको कहाँ दंदे बंदे, 'मै' तो तेरे पास में इसमें 'मै' किसके लिए प्रयोग हुआ है।

- (a) कबीर दास के लिए
- (b) अहंकार के लिए
- (c) भगवान के लिए
- (d) मनुष्य के लिए

#### ▼ Answer

Answer: (c) भगवान के लिए

---

### Question 2.

कबीर के अनुसार ईश्वर का वास कहाँ है

- (a) मंदिर में
- (b) जंगल में
- (c) आकाश में
- (d) प्रत्येक जीव की साँसों में

#### ▼ Answer

Answer: (d) प्रत्येक जीव की साँसों में  
प्रत्येक जीव की साँसों में ईश्वर घर-घट वासी है।

---

### Question 3.

कबीर ने संत के क्या लक्षण बताए हैं।

- (a) वह किसी एक मत को मानता है
- (b) वह अपने पक्ष का समर्थन करने वाला होता है
- (c) वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है
- (d) वह सभी मतों को मानता है

#### ▼ Answer

Answer: (c) वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है

---

### Question 4.

ज्ञान की आंधी आने पर क्या होता है?

- (a) मनुष्य का भ्रम दूर हो जाता है
- (b) माया-मोह से छुटकारा मिल जाता है
- (c) मनुष्य की अज्ञानता समाप्त हो जाती है
- (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

#### ▼ Answer



Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं  
मनुष्य को अज्ञानता, माया-मोह और भ्रम से छुटकारा मिल जाता है।

---

Question 5.

'मान सरोवर ..... अनंत न जाहि' इस साखी में कौन-सा अलंकार है?

- (a) अन्योक्ति
- (b) रूपक
- (c) श्लेष
- (d) उपमा

▼ Answer

Answer: (a) अन्योक्ति

(अन्योक्ति अलंकार) क्योंकि मानसरोवर के माध्यम से आध्यात्मिक अर्थ की ओर संकेत है।

---

Question 6.

'मान सरोवर ..... अनंत न जाहि' इस साखी में हंस और मानसरोवर किस-किस के प्रतीक हैं।

- (a) हंस परमात्मा का और मानसरोवर मन का प्रतीक
- (b) हंस जीवात्मा का और मानसरोवर आनंदवृत्ति वाले मन का एवं शून्य विकार के अमृत कुंट का प्रतीक है
- (c) हंस शून्य विकार का व मान सरोवर परमात्मा का प्रतीक है
- (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

▼ Answer

Answer: (b) हंस जीवात्मा का और मानसरोवर आनंदवृत्ति वाले मन का एवं शून्य विकार के अमृत कुंट का प्रतीक है

---

Question 7.

कबीर दास जी ने ज्ञानी और संत किसे बताया

- (a) जो अपने धर्म सम्प्रदाय का ख्याल रखता है
- (b) जो सदा ईश्वर भक्ति में लीन रहता है
- (c) जो सरल हृदय से निष्पक्ष होकर सम्प्रदायों से ऊपर उठकर प्रभु का ध्यान करता है
- (d) जो कठोर साधना में लीन रहता है।

▼ Answer

Answer: (c) जो सरल हृदय से निष्पक्ष होकर सम्प्रदायों से ऊपर उठकर प्रभु का ध्यान करता है

---

Question 8.

मनुष्य कब महान कहलाता है?

- (a) जब वह ऊँचे कुल में जन्म लेता है
- (b) जब उसके माँ बाप धनी होते हैं
- (c) जब वह अपने धर्म सम्प्रदाय को बढ़ावा देता है
- (d) जब उसके कर्म ऊँचे होते हैं

▼ Answer

Answer: (d) जब उसके कर्म ऊँचे होते हैं  
मनुष्य अपने कर्मों से महान कहलाता है।

---

Question 9.

कबीर की रचनाएँ संकलित हैं

- (a) सूरसागर में
- (b) कबीर ग्रन्थावली में
- (c) सूर सारावली में
- (प) उपर्युक्त में से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (b) कबीर ग्रन्थावली में  
कबीर ग्रन्थावली में कबीर की रचनाएँ संकलित हैं।

---

Question 10.

कबीर रास की रचनाएँ हमें मिलती हैं

- (a) साखी के रूप में
- (b) सबद के रूप में
- (c) रमैनी के रूप में
- (d) सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) सभी कथन सत्य हैं  
कबीरदास जी की रचनाएँ साखी, सबद और रमैनी के रूप में मिलती हैं।

---

Question 11.

कबीर दास ने किए

- (a) समाज सुधार के कार्य
- (b) आर्थिक सुधार के कार्य
- (c) धार्मिक कार्य
- (d) धार्मिक व आर्थिक दोनों

▼ Answer

Answer: (a) समाज सुधार के कार्य  
कबीरदास जी ने समाज सुधार के कार्य किए।

---

Question 12.

कबीर दास जी

- (a) सगुण के उपासक थे
- (b) सगुण और निर्गुण दोनों के उपासक थे
- (c) नास्तिक थे
- (d) निर्गुण के उपासक थे

▼ Answer

Answer: (d) निर्गुण के उपासक थे  
कबीरदास जी निर्गुण के उपासक थे।

---



Question 13.

कबीर दास के गुरु का नाम था

- (a) सत्यानंद
- (b) रामानंद
- (c) ब्रह्मानंद
- (d) ईश्वरानंद

▼ Answer

Answer: (b) रामानंद

कबीरदास जी के गुरु का नाम रामानंद था।

---

Question 14.

कबीर दास के माता-पिता का नाम था

- (a) शेरू व सीमा
- (b) हरिया व हीरा
- (c) नीरू और नीमा
- (d) रामू और श्यामा

▼ Answer

Answer: (c) नीरू और नीमा

'नीरू और नीमा' कबीरदास जी के माता-पिता थे।

---

Question 15.

कबीर दास का जन्म कब और कहाँ हुआ?

- (a) सन् 1999 में वाराणसी में
- (b) सन् 1459 में प्रयाग में
- (c) सन् 1393 में मधुरा में
- (d) सन् 1430 में आगरा में

▼ Answer

Answer: (a) सन् 1999 में वाराणसी में

---

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

मोको कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।  
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काये कैलास में।  
ना तो कौने किया-कर्म में, नहीं योग वैराग में।  
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में।  
की कबीर सुनो भाई सायो, सब स्वासों की स्वोस में।।

Question 1.

लोग ईश्वर को कहाँ ढूँढते हैं?

- (a) मंदिर में
- (b) मसजिद में

- (c) काबा और कैलाश में
- (d) उपर्युक्त सभी जगह

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी जगह

---

Question 2.

ईश्वर कहाँ रहता है?

- (a) मूर्ति में
- (b) काशी में
- (c) प्राणी के हृदय में
- (d) काबा में

▼ Answer

Answer: (c) प्राणी के हृदय में

---

Question 3.

हम ईश्वर को क्यों नहीं हूँढ पाते हैं।

- (a) क्योंकि हम अपने अंतःकरण को नहीं टटोलते
- (b) क्योंकि हम मूर्तिपूजा नहीं करते
- (c) क्योंकि हम तीर्थ यात्रा नहीं करते
- (d) क्योंकि हम अपने को बहुत ज्ञानी समझते हैं

▼ Answer

Answer: (a) क्योंकि हम अपने अंतःकरण को नहीं टटोलते

---

Question 4.

कबीर ने इस पद में किस बात पर जोर दिया

- (a) मूर्तिपूजा पर
- (b) तीर्थयात्रा पर
- (c) पीतांबर धारण करने पर
- (d) ईश्वर का अपने हृदय में ध्यान करने पर

▼ Answer

Answer: (d) ईश्वर का अपने हृदय में ध्यान करने पर

---

Question 5.

कबीर ने किन-किन धारणाओं का खंडन किया

- (a) कि ईश्वर मूर्तियों में है
- (b) ईश्वर तीर्थों में बसता है
- (c) ईश्वर काबा या कैलाश में है
- (d) उपर्युक्त सभी का खंडन किया है

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी का खंडन किया है

---

